

# A MODERN SANSKRIT GRAMMAR & COMPOSITION

(পাণিনীয়৷)

পাণিনি-ব্যাকরণের সূত্র অবলম্বনে রচিত

বি. এ., বি. এ. অনার্স এবং এম. এ. মান অনুযায়ী লিখিত।

সংস্কৃত, পরিভাষা, সন্ধি, কারক এবং স্ত্রী-প্রত্যয় সমন্বিত

প্রণেতা

**নগেন্দ্রনাথ শাস্ত্রী, এম. এ. ৯**

(বিশ্ববিদ্যালয়ের পদক-প্রাপ্ত), ডব্লু. বি. ই. এস.

কলিকাতা সংস্কৃত কলেজ, সেন্ট্রাল ক্যালকাটা কলেজ,

কৃষ্ণনগর কলেজ ও বারাসাত গভর্ণমেন্ট কলেজের

ভূতপূর্ব অধ্যাপক।

**SANSKRIT BOOK DEPOT**

**28/1, BIDHAN SARANI**

**KOLKATA-700 006**

# সূচিপত্র

| পরিচ্ছেদ             | বিষয়          | পৃষ্ঠা  |
|----------------------|----------------|---------|
| ১। প্রথম পরিচ্ছেদ    | উপক্রমণিকা     | 1-47    |
| ২। দ্বিতীয় পরিচ্ছেদ | সন্ধি          | 48-148  |
| ৩। তৃতীয় পরিচ্ছেদ   | শব্দরূপ        | 149-348 |
| ৪। চতুর্থ পরিচ্ছেদ   | কারক ও বিভক্তি | 349-463 |
|                      | সমাস           | 463-563 |
|                      | ধাতুরূপ        | 464-662 |
|                      | সনন্ত ধাতু     | 663-666 |
|                      | ষণ্ঠ ধাতু      | 667-670 |
|                      | নিজন্ত ধাতু    | 670-678 |
|                      | নাম ধাতু       | 678-688 |
|                      | ক্রিয়ার কাল   | 689-700 |
|                      | বিধিলিঙ        | 700-705 |
|                      | পরস্মৈপদ বিধান | 706-710 |
|                      | আত্মনেপদ বিধান | 710-729 |
|                      | প্রত্যয়       | 730-766 |
|                      | স্ত্রীপ্রত্যয় | 767-793 |
|                      | তদ্ধিত প্রকরণ  | 794-832 |
| পরিশিষ্ট             | ....           | 833-894 |